एवरशाइन

हिंदी व्याकरण

अशोक लव
एम. ए. (हिंदी), बी. एड. (दिल्ली विश्व.)
हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष
द एयर फ़ोर्स स्कूल, सुब्रोतो पार्क
दिल्ली छावनी ।

6

शिक्षा विभाग की नीतियों के अनुसार

© प्रकाशकाधीन सुरक्षित हैं

इस पुस्तक के किसी भाग का, किसी भी रूप में, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना मुद्रण, संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है ।

भूमिका

व्याकरण भाषा के शुद्ध प्रयोग का ज्ञान कराता है । भाषा के मौखिक और लिखित रूपों का ज्ञान व्याकरण द्वारा होता है । हिंदी भाषा विश्व की प्रामाणिक भाषा है । इसकी संरचना वैज्ञानिक पद्धति से हुई है । इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि इसे जिस रूप में लिखा जाता है, इसका उच्चारण भी उसी रूप में किया जाता है । इसलिए इसके व्याकरण के ज्ञान से इसके मौखिक और लिखित दोनों रूपों पर समानाधिकार आ जाता है ।

समय तेज़ी से बदल रहा है । इसके साथ-साथ शिक्षा-पद्धितयों में भी तेज़ी से परिवर्तन आ रहा है । संचार माध्यमों के प्रचार-प्रसार और विश्वीकरण का प्रभाव शिक्षा जगत पर भी पड़ा है । भाषा पर इन सबका प्रभाव पड़ रहा है । संसार में वही भाषा जीवित रहती है जिसने विज्ञान और इलैक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों को स्वीकार करके नवीन स्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया है । हिंदी इन परिवर्तनों को स्वीकार करके समृद्ध हुई है ।

व्याकरण की यह पुस्तक-शृंखला इन समस्त स्थितियों को समक्ष रखकर तैयार की गई है । इसकी भाषा विद्यालयों के विद्यार्थियों के स्तरानुकूल है । पांडित्य प्रदर्शन हेतु संस्कृत की तत्सम प्रधान शब्दावली से बचा गया है । इस पुस्तक-शृंखला में विद्यार्थियों को केंद्र में रखा गया है । नियमों-उपनियमों और अभ्यासों की भाषा बोधगम्य है । इसका उद्देश्य है – विद्यार्थी पढ़कर इन्हें स्वयं समझ सकें ।

व्याकरण जैसे नियमों-उपनियमों से भरे शास्त्र को शुष्क एवं नीरस माना जाता है । इस शृंखला की प्राथमिक स्तर की पुस्तकों (भाग तीन, चार और पाँच) को रंगीन चित्रों के माध्यम से आकर्षक बनाया गया है । विभिन्न नियमों को जीवन के साथ संबद्ध करके समझाया गया है । बाल-गीतों की पंक्तियों और गीतों के माध्यम से व्याकरण को पढ़ाने का नया प्रयोग व्याकरण जगत में पहली बार किया गया है । इससे विद्यार्थियों की व्याकरण पढ़ने में रुचि बढ़ी है । अध्यापक-अध्यापिकाओं ने इस प्रयोग की भूरि-भूरि प्रशंसा की है । उनकी प्रतिक्रिया थी कि आज तक किसी ने सोचा भी न था कि व्याकरण जैसे नीरस विषय को बाल-गीतों के उदाहरणों द्वारा भी पढ़ाया-समझाया जा सकता है ।

प्राथमिक स्तर पर हिंदी भाषा के व्याकरण का अध्ययन सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है । इसी स्तर पर विद्यार्थी भाषा सीखना आरंभ करता है । भाषा की नींव इसी समय रखी जाती है । मात्राओं का उचित प्रयोग करने से लेकर अनुच्छेद और कहानी तक कक्षा पाँच तक हो जाता है । इन कक्षाओं में व्याकरण-अध्ययन अत्यंत आवश्यक होता है । इसलिए इस स्तर की पुस्तकों को अध्यापक-अध्यापिकाओं की आवश्यकताओं और विद्यार्थियों की आयु और ग्रहण क्षमता को समक्ष रखकर तैयार किया गया है ।

माध्यमिक स्तर की पुस्तकों की भाषा भी सहज और सरल है । इसके उदाहरण आम जीवन से संबद्ध हैं । ये विद्यार्थियों के परिवेश से सीधे जुड़े हुए हैं । अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यालयों में विद्यार्थियों और अध्यापक-अध्यापिकाओं को अध्ययन में जो कठिनाइयाँ आती हैं, उन्हें भी दृष्टिगत रखकर भाग छह, सात, आठ को तैयार किया गया है । अभ्यास के लिए पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं ।

प्रश्नों के साथ ही उत्तरों के लिए पर्याप्त स्थान रखे गए हैं । इससे विद्यार्थियों को गृह-पुस्तिकाओं में कार्य करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी । यदि प्रत्येक अध्याय के साथ दिए गए **'प्रश्न और अभ्यास'**

गंभीरतापूर्वक किए जाएँगे तो विद्यार्थी व्याकरण में पारंगत हो जाएँगे ।

साहित्य के क्षेत्र में लगभग तीस वर्षों के निरंतर लेखन एवं अध्यापन के दो दशकों से अधिक के अनुभव के पश्चात व्याकरण-लेखन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों की हिंदी भाषा में रुचि जाग्रत हो । वे इसका शुद्ध प्रयोग करें । उनकी अभिव्यक्ति क्षमता विकसित हो । उनकी राष्ट्रभाषा के प्रति सकारात्मक सोच बने । इस पुस्तक-शृंखला से उनमें हिंदी साहित्य के प्रति रुचि विकसित होगी । आशा है व्याकरण पुस्तकों की यह शृंखला अध्ययन-अध्यापन के अपने उद्देश्य में सार्थक सिद्ध होगी ।

इस पुस्तक को विभिन्न राज्यों के शिक्षा विभागों, एस.सी.ई.आर.टी., एन.सी.ई.आर.टी और सी.बी.एस.ई. की पाठ्यक्रम नीतियों और पाठ्यक्रमों को दृष्टिगत रखकर तैयार किया गया है । अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए यथास्थान अंग्रेज़ी के पर्यायवाची शब्द दिए गए हैं ।

आशा है हिंदी भाषा के अध्यापक-अध्यापिकाएँ इस पुस्तक-शृंखला का अपनी सहायिका के रूप में स्वागत करेंगे । उनके द्वारा ही ज्ञान प्रदान करने का पावन कार्य संपन्न होता है । उनके इस समर्पित, पावन और अतुलनीय कार्य में यह पुस्तक सार्थक भूमिका निभा सकेगी, ऐसा हमारा विश्वास है ।

विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता भी इसे रुचिकर एवं उपयोगी पाएँगे । आप सबकी प्रतिक्रिया और सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी ।

अशोक लव

विषय-सूची

क्रम	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषा, लिपि, व्याकरण, साहित्य (Language, Script, Grammar and Literature	7
2.	वर्ण-विचार (Phonology)	10
3.	शब्द-विचार (Marphology)	18
4.	शब्द-संरचना (Etymology)	23
5.	वर्तनी की शुद्धता (Correct spellings)	29
6.	संज्ञा (Noun)	33
7.	संज्ञा-विकार : लिंग (Gender)	36
8.	संज्ञा-विकार : वचन (Numbers)	40
9.	संज्ञा-विकार : कारक (Case)	44
10.	संज्ञाओं का रूप-परिवर्तन (Transformation of Nouns)	48
11.	सर्वनाम (Pronoun)	53
12.	विशेषण (Adjective)	57
13.	क्रिया (Verb)	62
14.	काल (Tense)	66
15.	क्रियाविशेषण (Adverb)	69
16.	संबंधबोधक (Post Position)	74
17.	समुच्चयबोधक (Conjunction)	76
18.	विस्मयादिबोधक (Interjection)	78
19.	विराम-चिह्न (Punctuation)	80
20.	मुहावरे, अर्थ और वाक्यों में प्रयोग (Idioms, Meanings & Usages)	82
21.	पर्यायवाची शब्द (Synonyms)	87
22.	विलोम शब्द (Antonyms)	90
23.	शब्द एक, अर्थ अनेक (Words with various meanings)	92
24.	अनेक के लिए एक शब्द (One Word for Group of Words)	94
25.	समान रूप पर अर्थ भिन्न (Pairs of words, Distinguished)	97
26.	अपठित गद्यांश (Unseen Passage)	100
27.	कहानी-लेखन (Story writing)	105
28.	पत्र-लेखन (Letter writing)	107
	(i) ममेरे भाई को पत्र ।	107
	(ii) मित्र को पत्र – पुरस्कार प्राप्ति की सूचना ।	109
	(iii) मित्र को पत्र – पुरस्कार मिलने पर बधाई ।	109

क्रम	अध्याय	पृष्ठ संख्या
	(iv) पुत्र को पत्र – परीक्षाओं की तैयारी के लिए ।	110
	(v) प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र – अवकाश के लिए ।	110
	(vi) प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र – क्षमा-याचना के लिए ।	111
	(vii) प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र – पिकनिक पर जाने की अनुमति के लिए	111
	(viii) पुस्तक-विक्रेता को पुस्तक मंगाने के लिए ।	112
29.	निबंध-लेखन (Essay writing)	113
	(i) हमारा प्यारा भारत	114
	(ii) मैंने साइकिल चलाना सीखा	114
	(iii) पंद्रह अगस्त	115
	(iv) खेलों का महत्व	115
	(v) पेड़ : पर्यावरण के रक्षक	116
	(vi) पुस्तकें : आदर्श उपहार	116
	(vii) आदर्श विद्यार्थी	117
	(viii) मेरी प्रिय अध्यापिका	118
	(ix) गणतंत्र-दिवस	119
	(x) विद्यालय की घंटी	119

1 भाषा, लिपि, व्याकरण, साहित्य (Language, Script, Grammar, Literature)

भाषा (Language)

अध्यापिका ने पल्लवी की माताजी को पत्र लिखकर भेजा । पल्लवी ने कविता-प्रतियोगिता में भाग लेना था । अध्यापिका ने पल्लवी की माता जी को उसे कविता याद कराने के लिए पत्र लिखा ।

माता जी ने पत्र **पढ़कर** उसे कविता याद करा दी ।

माता जी ने अध्यापिका के घर फ़ोन किया । उन्होंने पल्लवी द्वारा कविता याद कर लेने के विषय में बताया । यह जानकर अध्यापिका प्रसन्न हो गई ।

अध्यापिका ने पत्र **लिखकर** अपने मन के भाव प्रकट किए ।

माता जी ने पत्र **पढ़कर** अध्यापिका के भाव जाने ।

माता जी ने फ़ोन द्वारा, **बोलकर** अपने मन के भाव प्रकट किए ।

अध्यापिका ने **सुनकर** माता जी के मन के भाव जाने । ऐसा भाषा के द्वारा हुआ ।

भाषा के द्वारा मनुष्य मन के भावों और विचारों का आदान-प्रदान करता है ।

वह भाषा के द्वारा अपने मन के भाव और विचार प्रकट करता है तथा दूसरों के भाव और विचार जानता है ।

मनुष्य **बोलकर** और **लिखकर** अपने मन के भावों और विचारों को प्रकट करता है ।

वह **सुनकर** और **पढ़कर** दूसरों के मन के भावों को जानता है ।

भाषा के रूप (Kinds of Language)

भाषा के दो रूप होते हैं –

1. मौखिक भाषा (Spoken Language)
2. लिखित भाषा (Written Language)

1. मौखिक भाषा (Spoken Language) : भाषा के मौखिक रूप द्वारा मन के भावों और विचारों को बोलकर प्रकट किया जाता है और सुनकर जाना जाता है ।

"वंदना ! क्या तुमने कंप्यूटर सीखना है ?" सुशील ने पूछा ।

"हाँ !" – वंदना ने कहा ।

वंदना और सुशील की बातचीत भाषा का मौखिक रूप है । भाषा का मौखिक रूप अस्थायी होता है । परंतु अब भाषा के मौखिक रूप को टेप करके कसेट्स में सुरक्षित रखा जाने लगा है ।

2. लिखित भाषा (Written Language) : भाषा के लिखित रूप द्वारा मन के भावों और विचारों को लिखकर प्रकट किया जाता है और पढ़कर समझा जाता है ।

अध्यापक ने ब्लैक-बोर्ड पर गणित के प्रश्न का हल निकाला ।

विद्यार्थियों ने उसे पढ़कर समझा ।

भाषा का लिखित रूप स्थायी होता है । ज्ञान का समस्त भंडार पुस्तकों में लिखित रूप में सुरक्षित है । पत्र-पत्रिकाएँ, पुस्तकें एवं छापेखानों द्‌वारा छापी गई सामग्री भाषा के लिखित रूप हैं ।

हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएँ

भारतीय संविधान में हिंदी को राजभाषा का स्थान दिया गया है । हिंदी भारत की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है । यह भारत की संपर्क और राष्ट्रभाषा है ।

भारतीय संविधान में अन्य स्वीकृत भाषाएँ हैं – संस्कृत, काश्मीरी, पंजाबी, गुजराती, मराठी, कोंकणी, मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, बंगला, असमिया, मणिपुरी, उर्दू, नेपाली, सिंधी और उड़िया ।

लिपि (Script)

आरंभ में भाषा का रूप मौखिक था । धीरे-धीरे इसकी ध्वनियों के चिह्न निर्धारित किए गए । इन चिह्नों के द्‌वारा भाषा को लिखा जाने लगा ।

संसार की भाषाएँ विभिन्न रूपों में लिखी जाती हैं ।

भाषा को लिखने का ढंग लिपि कहलाता है ।

संस्कृत, हिंदी, मराठी आदि भाषाएँ **देवनागरी** लिपि में लिखी जाती हैं ।
अंग्रेज़ी भाषा की लिपि **रोमन** है ।
उर्दू **फ़ारसी** लिपि में लिखी जाती है ।
पंजाबी भाषा की लिपि **गुरुमुखी** है ।

व्याकरण (Grammar)

बंदरिया केला खा गया ।	कुत्ता भौंकते हैं ।
लड़का लड़खड़ाकर गिर गई ।	पंडित पूजा कराती है ।

ये वाक्य अशुद्‌ध हैं ।

बंदरिया केला खा गई ।	कुत्ते भौंकते हैं ।
लड़का लड़खड़ाकर गिर गया ।	पंडित पूजा कराता है ।

ये वाक्य शुद्‌ध हैं । ऐसा व्याकरण के नियमों से पता चलता है ।

भाषा के शुद्‌ध रूप में लिखने और बोलने के नियम होते हैं । इन नियमों के ज्ञान से भाषा का शुद्‌ध प्रयोग करना आता है । इसका ज्ञान व्याकरण से होता है ।

भाषा को शुद्‌ध रूप से प्रयोग करने और जानने का ज्ञान कराने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है ।

सभी भाषाओं के व्याकरण के नियम भिन्न-भिन्न होते हैं ।

साहित्य (Literature)

भूगोल, इतिहास, अंतरिक्ष-विज्ञान, नृत्य, संगीत, उपन्यास, लघुकथा, कविता, कंप्यूटर आदि ज्ञान के विभिन्न क्षेत्र हैं ।

इन क्षेत्रों से संबधित ज्ञान के भंडार को साहित्य कहते हैं । ज्ञान का यह भंडार साहित्य के रूप में हज़ारों वर्षों से सुरक्षित है । समय के परिवर्तन के साथ-साथ यह बढ़ता रहता है ।

गद्य और पद्य की विभिन्न विधाओं को भी साहित्य कहा जाता है । लघुकथा, कहानी, उपन्यास, कविता, नाटक आदि साहित्य के विभिन्न रूप हैं ।

प्रश्न और अभ्यास

1. भाषा से क्या तात्पर्य है ?
2. भाषा के कितने रूप होते हैं ? उदाहरणसहित समझाइए ।
3. लिपि किसे कहते हैं ?
4. व्याकरण और भाषा में क्या संबंध होता है ?
5. साहित्य किसे कहते हैं ?
6. **रिक्त-स्थानों को कोष्ठक में दिए उचित शब्दों से भरिए –**
   (क) पुस्तक भाषा का ..... रूप है । (लिखित, मौखिक)
   (ख) टेलीफ़ोन से की गई बात ..... भाषा है । (लिखित, मौखिक)
   (ग) संविधान में हिंदी को ..... माना गया है । (मातृभाषा, राजभाषा)
   (घ) भाषा को लिखने का ढंग ..... कहलाता है । (लिपि, साहित्य)
   (ङ) विचारों का आदान-प्रदान ..... द्वारा होता है । (व्याकरण, भाषा)
   (च) ज्ञान के भंडार को ..... कहते हैं । (साहित्य, भाषा)
   (छ) भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान ..... से होता है । (व्याकरण, लिपि)
7. **गलत कथनों के आगे × चिह्न और ठीक कथनों के आगे ✓ चिह्न लगाइए –**
   (क) उर्दू भाषा की लिपि रोमन है ।
   (ख) समाचार-पत्र भाषा का मौखिक रूप है ।
   (ग) गुरुमुखी लिपि से पंजाबी भाषा लिखी जाती है ।
   (घ) आकाशवाणी से प्रसारित समाचार भाषा के लिखित रूप हैं ।
   (ङ) हिंदी की लिपि देवनागरी है ।
8. **नीचे लिखे प्रांतों के आगे उनमें बोली जानेवाली भाषाओं के नाम लिखिए –**

(क) कश्मीर	.....	(च) राजस्थान	.....
(ख) केरल	.....	(छ) तमिलनाडु	.....
(ग) हिमाचल प्रदेश	.....	(ज) हरियाणा	.....
(घ) आंध्र प्रदेश	.....	(झ) कर्नाटक	.....
(ङ) बंगाल	.....	(ञ) असम	.....